Literacy for a Billion

Movie: Aanand
Year: 1971

Song: Zindagi Kaisi Hai Paheli Haay
Lyricist: Gulzar

ज़िन्दगी कैसी है पहेली हाय
कभी तो हँसाए
कभी ये रुलाए

ज़िन्दगी कैसी है पहेली हाय
कभी तो हँसाए
कभी ये रुलाए

कभी देखो मन नहीं जागे
पीछे पीछे सपनों के भागे
तो भी देखो मन नहीं जागे
पीछे पीछे सपनों के भागे
इक दिन सपनों का राही
चला जाए सपनों से आगे कहाँ

ज़िन्दगी कैसी है पहेली हाय
कभी तो हँसाए
कभी ये रुलाए

जिन्होंने सजाए यहाँ मेले
सुख दुःख संग संग झेले
जिन्होंने सजाए यहाँ मेले
सुख दुःख संग संग झेले
वही चुनकर ख़ामोशी
यूँ चले जाए अकेले कहाँ

ज़िन्दगी कैसी है पहेली हाय
कभी तो हँसाए
कभी ये रुलाए

ज़िन्दगी ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.